

खबर संक्षेप

कमिश्नर ने मढ़ीबाग में भगवान आशुतोष के किए दर्शन



उमरिया। कमिश्नर श्रीमती सुरभि गुप्ता ने उमरिया जिले के ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थल मढ़ीबाग पहुंचकर प्राचीन शिवलिंग के दर्शन एवं पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने मंदिर परिसर का अवलोकन कर मंदिर के इतिहास, धार्मिक महत्व तथा यहां उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी संबंधित अधिकारियों से प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान कमिश्नर श्रीमती गुप्ता ने मणिबाग क्षेत्र में पर्यटन की अपार संभावनाओं पर चर्चा करते हुए अधिकारियों को इस स्थल के समग्र विकास के लिए आवश्यक कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक सौंदर्य एवं धार्मिक आस्था से जुड़े ऐसे स्थलों को इको-टूरिज्म के रूप में विकसित कर स्थानीय लोगों के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर सृजित किए जा सकते हैं। कमिश्नर ने मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्र में स्वच्छता, सौंदर्यीकरण, पर्यटकों के लिए मूलभूत सुविधाएं, मार्ग संकेतक, बैठने की व्यवस्था तथा पर्यावरण संरक्षण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में प्राकृतिक वातावरण को संरक्षित रखते हुए इको-फ्रेंडली उपाय अपनाए जाएं, ताकि क्षेत्र की धार्मिक एवं प्राकृतिक पहचान बनी रहे और अधिक से अधिक पर्यटक यहां आकर्षित हो सकें। निरीक्षण के समय कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय, सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता, अनुविभागीय बांधवगढ अंबिकेश प्रताप सिंह उपस्थित रहे।

यात्रियों को अयोध्या-वाराणसी (काशी) तीर्थ दर्शन के लिए किया गया रवाना



शहडोल। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति ने हरी झंडी दिखाकर मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना नियम-2012 के अंतर्गत शहडोल जिले के तीर्थ यात्रियों को अयोध्या-वाराणसी (काशी) जाने हेतु 262 तीर्थ यात्रियों का चयन तीर्थ यात्रा हेतु रवाना किया। इस अवसर पर जिला प्रशासन के अधिकारियों द्वारा तीर्थ यात्रियों का फूल माला से स्वागत किया गया तथा तीर्थ यात्रा के शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर तीर्थ यात्रियों के परिजन रेलवे स्टेशन तक पहुंचाने आए हुए थे। रेलवे स्टेशन में महिलाओं ने तीर्थ यात्रा गीत गाकर खुशियों का इजहार किया। इस अवसर पर संयुक्त आयुक्त विकास मुद्रिका सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

फर्जी बिलों का ‘खेल’ और जेबें भरती ‘त्रिमूर्ति’

मानपुर। जनपद क्षेत्र में विकास के नाम पर सरकारी खजाने को किस कदर चूना लगाया जा रहा है, इसकी एक जीती-जागती मिसाल मानपुर जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत पतौर में देखने को मिल रही है। यहां विकास के नाम पर सड़कों तो सिर्फ कागजों पर बन रही हैं, लेकिन पंचायत के नुमाइंदों के बैंक खाते ज़रूर हरे-भरे हो रहे हैं। फर्जी बिलों के दम पर सरकारी राशि को हजम करने का ऐसा खेल चल रहा है, जिसे देखकर खुद भ्रष्टाचार भी शरमा जाए।

कागजों पर दौड़ी जेसीबी और ट्रैक्टर

ग्राम पंचायत पतौर में ग्रैवल (मुरूम) रोड



निर्माण के नाम पर एक के बाद एक फर्जी

बिलों का अंबार लगा दिया गया है। कहीं 49 हजार रुपये, तो कहीं 44 हजार 59 रुपये की स्वीकृतियां मनमर्जी से भुनाई जा रही हैं। हद तो तब हो गई जब जेसीबी लोडिंग के नाम पर सीधे 19,104 रुपये का फर्जी बिल लगा दिया गया, तो वहीं मुरम ढुलाई के नाम पर 50 ट्रैलरी के 22,857 रुपये का फर्जी बिल थमा दिया गया। दामोदर सिंह के घर से अमर सिंह के घर तक और बेतहा नाला से विश्राम सिंह के घर तक के नाम पर जो बिल लगे हैं, धरातल पर उनकी हकीकत तलाशेंगे तो सिवाय धूल और धांधली के कुछ नहीं मिलेगा।

अफसरों का अनोखा कानून

जब इस घोटाले की भनक जनपद के

कमिश्नर ने अपशिष्ट प्रबंधन एवं अटल सेवा सदन का किया निरीक्षण



उमरिया। कमिश्नर श्रीमती सुरभि गुप्ता ने ग्राम लगवारी में अपशिष्ट प्रबंधन, लालपुर में पाइन लाईन, वार्ड नंबर 3 बन रहे पार्क निर्माण तथा ग्राम मजमाजीखुर्द में अटल सेवा सदन ग्राम पंचायत का निरीक्षण किया। ग्राम लगवारी में अपशिष्ट प्रबंधन के दौरान मुख्य नगर पालिका अधिकारी किशन सिंह ने बताया कि कुल अनुमानित जनसंख्या 40 हजार है। कुल वार्ड की संख्या 24 है। कुल ठोस

अपशिष्ट उत्पादन 4 से 4.5 टन प्रतिदिन का है।कचरा कलेक्शन 10 वाहनों से किया जा रहा है। कंस्ट्रक्शन डेड डेमोलेशन कलेक्शन एवं प्रसेसरण प्लांट निर्माणधीन ईमारत आदि से निकलने वाला मलबा 10 टन है। फिकल स्लज ट्रिटमेंट प्लांट 21 किलो लीटर प्रतिदिन, सेनेटरी अपशिष्ट ड्रिनेसेटर उपलब्ध है। डोमेस्टिक हैजर्ड वेस्टी 0.5 टन कलेक्शन की क्षमता है। इसी

तरह कमिश्नर ने लालपुर में बिछाई जा रही पाईप लाईन कार्य का अवलोकन किया। उन्होंने कार्य में विलंब होने तथा गिराफ्त समयावधि में कार्य न होने पर नगरजगी व्यवत् करते हुए सीएसओ को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार वार्ड क्रमांक 3 में बन रहे पार्क निर्माण का कार्य औचित्य हीन पाया गया जिस पर कमिश्नर व्दारा नगरजगी व्यवत् की गई। कमिश्नर श्रीमती गुप्ता ने ग्राम मजमाजी खुर्द नव निर्मित अटल सेवा सदन ग्राम पंचायत का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सीईओ जनपद पंचायत करकेली ने बताया कि अटल सेवा सदन का निर्माण की लागत 37.49 हजार रुपये है। भवन में सचिव कक्ष, सरपंच कक्ष, स्टोर कक्ष, कम्प्यूटर कक्ष, बैठक रूम का निर्माण किया गया है। जिस पर कमिश्नर ने 15 दिवस में कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के समय कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय, सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता, अनुविभागीय बांधवगढ अंबिकेश प्रताप सिंह उपस्थित रहे।

पतौर में भ्रष्टाचार का खेल, कार्यवाही की दरकार

एपीओ राजेश जाटव तक पहुंची, तो उनका जवाब और भी ज्यादा हैरान करने वाला निकला। उन्होंने फरमाया कि पंचायत के कामों में रॉयल्टी की कोई ज़रूरत ही नहीं पड़ती, यह शासन के निर्देश हैं, जबकि हकीकत यह है कि बिना रॉयल्टी के मुरूम और रेत का परिवहन पूरी तरह गैर-कानूनी है, लेकिन पतौर में तो सरपंच, सचिव और इंजीनियर की त्रिमूर्ति ने अपने नियम खुद ही बना लिए हैं। न तो जनपद का डर है और न ही जिला प्रशासन का खोफ।

कब जागेगा जिला प्रशासन

पतौर पंचायत में जो चल रहा है, वह सिर्फ भ्रष्टाचार नहीं, बल्कि प्रशासनिक व्यवस्था के मुंह पर करारा तमाचा है। अब देखना यह है

अब 15 अगस्त की तर्ज पर होगी आर-पार की जंग?

कुछ दिन पहले जब रोड की खुदाई शुरू हुई थी, तो आस-पास के दुकानदारों ने एकजुट होकर इस धांधली का कड़ा विरोध किया, जिसके कारण तीन दिनों तक काम पूरी तरह ठप रहा। आज फिर जब नगरपालिका की टीम पहुंची, तो नापजोख के नाम पर वही लीपापोती दोहराई गई। रहवासियों और दुकानदारों का कहना है कि कानून सबके लिए एक समान होना चाहिए। यदि गरीबों का अतिक्रमण हटाया गया है, तो किसी बड़े नगर सेठ की प्रॉपर्टी को बचाने के लिए नियम का कतल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नगर पालिका की यह एकतरफा मेहरबानी जल्द ही न्यू बस स्टैंड रोड पर किसी बड़े जन-आक्रोश और कानून-व्यवस्था के संकट का कारण बन सकती है।

अब 15 अगस्त की तर्ज पर होगी आर-पार की जंग?

कुछ दिन पहले जब रोड की खुदाई शुरू हुई थी, तो आस-पास के दुकानदारों ने एकजुट होकर इस धांधली का कड़ा विरोध किया, जिसके कारण तीन दिनों तक काम पूरी तरह ठप रहा। आज फिर जब नगरपालिका की टीम पहुंची, तो नापजोख के नाम पर वही लीपापोती दोहराई गई। रहवासियों और दुकानदारों का कहना है कि कानून सबके लिए एक समान होना चाहिए। यदि गरीबों का अतिक्रमण हटाया गया है, तो किसी बड़े नगर सेठ की प्रॉपर्टी को बचाने के लिए नियम का कतल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नगर पालिका की यह एकतरफा मेहरबानी जल्द ही न्यू बस स्टैंड रोड पर किसी बड़े जन-आक्रोश और कानून-व्यवस्था के संकट का कारण बन सकती है।



सरकारी गाड़ियों की नाम पट्टियों पर चला डंडा

अब रौब झाड़ने वाले कथित प्रेस और नेताओं की कब आएगी बारी

शहडोल। शहडोल की सड़कों पर अपनी गाड़ियों के आगे-पीछे अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, जिला मंत्री और कांच पर बड़े-बड़े अक्षरों में प्रेस लिखवाकर कानून को जेब में लेकर घूमने वाले वीआईपी संस्कृति के शौकीनों के लिए खबर थोड़ी कड़वी है। नवागत पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय अग्रवाल के कड़े तेवरों के बाद आखिरकार शहडोल पुलिस नौद से जागी है और शनिवार को सड़कों पर गाड़ियों के नाम-पद का ढोंग उतारने का अभियान शुरू हुआ। यातायात प्रभारी संजय जायसवाल ने एनएच-43 पर मोर्चा संभालते हुए सबसे पहले तो सरकारी साहबों की गाड़ियों की अकड़ ढीली की—यानी नियमों को ठेंगा दिखाकर नाम और पद की पट्टियां लटकाए घूम रहे अधिकारियों के वाहनों से तख्तियां उतरवाई गईं और काली फिल्में उखाड़ी गईं।



समझाइश का मीठा डोज या चालान का डंडा

प्रारंभिक दौर में दर्जनभर से अधिक वाहनों पर गाज गिरा। लेकिन साहब। सवाल यह उठता है कि जब आम आदमी बिना हेलमेट या सीटबेल्ट के पकड़ा जाए, तो पुलिस तुरंत रसीद कड़ा काट देती है, पर जब बात सरकारी अफसरों या रुतबेदार लोगों की आती है, तो पुलिस समझाइश की मीठी छुट्टी क्यों पिलाने लगती है? यातायात प्रभारी कह रहे हैं कि अभी केवल समझाइश दी जा रही है, आगे चालानी कार्रवाई होगी, लेकिन जनता पूछ रही है कि कानून का यह पाठ सिर्फ अफसरों के लिए है या आम जनता के लिए भी कभी समझाइश का कोटा खुलेगा?

क्या नेताओं और फर्जी प्रेस की तख्तियों पर चलेगा हाथ

अधिकारियों की गाड़ियों से तख्तियां हटाना तो महज एक शुरुआत है। असली चुनौती तो अब शुरू होती है। सड़क पर दौड़ती आधी से ज्यादा गाड़ियों पर जातिस्मृचक शब्द, राजनीतिक पार्टियों के फर्जी पद और अध्यक्ष की प्लेटें टंगी हैं। दो पन्नों का अखबार न छापने वाले भी गाड़ी के

शीशे पर प्रेस लिखवाकर टोल बचाने और पुलिस को आंखें दिखाने का धंधा चला रहे हैं। निजी गाड़ियों को पार सेंटर की तरह इस्तेमाल करना शहडोल का नया फैशन बन चुका है। क्या शहडोल पुलिस में इतना दम है कि वह किसी रसूखदार नेता, कद्दावर नेता पुत्र या कथित पत्रकारों की गाड़ियों रोककर उनकी अवैध पट्टियां उतार सके? या फिर यह अभियान सिर्फ सरकारी अफसरों की गाड़ियों तक ही सिमटकर दम तोड़ देगा?

अन्य थानों में कब टूटेगी खाकी की खामोशी?

फिलहाल यह कार्रवाई केवल जिला मुख्यालय के एनएच-43 और ट्रैफिक पुलिस की हद तक दिख रही है। ब्यौहारी, जयसिंहनगर, सोहागपुर, बुढ़ार और धनपुरी जैसे बाकी थानों की पुलिस शायद अभी किसी शुभ मुहूर्त का इंतजार कर रही है। जनता की नजरें अब इस बात पर टिकी हैं कि एसपी साहब का आदेश पूरे जिले में एक समान लागू होता है या फिर देहात के थानों में वही जिसकी लाठी उसकी भैंस वाला पुराना ढाढ़ा चलेगा। कानून की नजरों में सब बराबर हैं, यह बात कागजों से निकलकर सड़क पर कब दिखेगी, इसका जवाब तो आने वाला वक्त ही देगा।

अनहोनी का डर दिखाया और उतरवा लिए सोने के नेजर

शहडोल। शहर में इन दिनों अपराधियों का होसला बुलंद है और पुलिस का सूरक्षा चक्र पूरी तरह चरकर चुका है। जिले में तथ्यकथित सम्मोहन (हिप्नोटाइज) और तंत्र-मंत्र के नाम पर ठगी करने वाला गिरोह खुलेआम घूम रहा है, लेकिन हमारी मुस्तैद पुलिस महज सीसीटीवी के फुटेज खंगालने की रस्म अदायगी तक सीमित रह गई है। ताजा मामला कोतवाली थाना क्षेत्र के गंज हलाके का है, जहां ठगों ने एक अथेड महिला को अपनी बातों के जाल में फंसाकर उसके सोने के गहनों पर हाथ साफ कर दिया। जानकारी के अनुसार, सिंहपुर रोड स्थित गंज क्षेत्र की निवासी उषा वर्मा रास्ते से पैदल गुजर रही थीं। तभी एक अज्ञात ठग उनके पास आया और मीठी-मीठी बातों का जाल बुनना शुरू कर दिया। ठग ने महिला को परिचार पर आने वाले भारी संकट और अनहोनी का ऐसा खोफ दिखाया कि महिला उसकी बातों के सम्मोहन में आ गई। आरोपी के कहने पर महिला ने बिना सोचे-समझे अपने कानों के सोने के बुंदे और हाथ की अंगूठी उतारकर एक सफेद कपड़े में लपेटकर उसे सौंप दिए। जब तक महिला की चेतना वापस लौटती और उसे ठगी का अहसास होता, तब तक तथ्यकथित तानिक ठग गहने लेकर चंपत हो चुका था। दिव्यदाई शहर की सड़कों पर महिलाओं को डरा-धमकाकर जेवर चुरा लिए जा रहे हैं, फिर भी पुलिस की गश्त सिर्फ कागजों पर ही क्यों दौड़ रही है।





पुलिस में दो दिन में दो गुमशुदगी प्रकरणों का किया निराकरण

अनूपपूर। पुलिस अधीक्षक विक्रान्त मुराब के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ मारकाम तथा एसडीओपी कोतमा आरती शायक के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सुमित कौशिक के नेतृत्व में रामनगर पुलिस ने गुमशुदा व्यक्तियों की तलाश में उत्तेजनीय सफलता हासिल की है। लगातार चलाए जा रहे अभियान के तहत महज दो दिनों में दो अलग-अलग गुमशुदगी प्रकरणों का सफल निराकरण करते हुए एक नाबालिग बालिका और एक बालिग महिला को सकुशल दस्तयाब कर परिजनों के सुपुर्द किया गया। पहले प्रकरण में ग्राम जमुडी निवासी प्रेमणी पतिता ने 21 जुलाई 2026 को रिपोर्ट दर्ज कराई थीं कि उनकी 16 वर्ष 11 माह की पुत्री संजना पुत्री कोतमा कॉलेज पढ़ने गई थी, लेकिन घर वापस नहीं लौटी। इस घर थाना रामनगर में अपराध क्रमांक 217/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 137(2) में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और लगातार तलाश के आधार पर बालिका को शहडोल से सकुशल बरामद किया। न्यायालय में कथन दर्ज कराने के बाद 29 जुलाई को उसे विधिवत परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। दूसरे प्रकरण में रजबांध निवासी सुनील पाव ने शिकायत दर्ज कराई कि वह अपनी पत्नी लीलावती पाव के साथ रामनगर में मजदूरी करने आया था, जहां उसकी पत्नी बिना बताए कहीं चली गई। इस मामले में 19 जुलाई 2026 को अपराध क्रमांक 215/26 के तहत बीएनएस की धारा 140(3) में मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ की गई। विवेचना के दौरान पुलिस को पता चला कि महिला शहडोल में रह रही है। पुलिस ने उसे सकुशल दस्तयाब कर 29 जुलाई को न्यायालय में प्रस्तुत किया, जहां उसके कथन दर्ज कराए गए। रामनगर पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई का सकारात्मक परिणाम यह है कि थाना क्षेत्र में वर्तमान समय में किसी भी नाबालिग बालक या बालिका की गुमशुदगी का कोई भी प्रकरण लंबित नहीं है। पुलिस ने कहा है कि गुमशुदा व्यक्तियों की शीघ्र तलाश और उनकी सुरक्षित दस्तयाबी के लिए अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

प्रफुटन शक्ति संघ अमियान में सामाजिक सहभागिता पर हुआ मंथन



जैतहरी। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, अनूपपुर के तत्त्वधान में विकासखंड जैतहरी के तुलसी मानस भवन में प्रफुटन शक्ति संघ कार्यक्रम के अंतर्गत विकासखंड स्तरीय मासिक बैठक एवं प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज विकास जगन्नागदीरी को सशक्त बनाने तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम का संचालन पुषेन्द्र नामदेव ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ स्वयंसेवक प्रदीप कुमार गुप्ता, सरस्वती शिशु मंदिर जैतहरी के प्राचार्य दीपक उरमातिया, जिला पंचायत सदस्य रंजीत सिंह सराटी, कृषि विस्तार विकासखंड अधिकारी वैभव सोलंकी, जगन्नागदीरी अध्यक्ष अशोक राठौर, विकासखंड समन्वयक फते सिंह, नवांकुर संस्थाओं के प्रतिनिधि, परमेश्वरदाता, प्रफुटन समितियों के सदस्य सामाजिक कार्यकर्ता एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में समाज के समग्र विकास, सामाजिक उत्तरदायित्व, जनस्वहभागिता और आगामी गतिविधियों की कार्ययोजना पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

राजनगर पुलिस की कॉम्बिंग गश्त में बड़ी कार्रवाई, 5 वारंटी गिरफ्तार, 6 स्थायी वारंट तामील



राजनगर। पुलिस अधीक्षक विक्रान्त मुराब के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ मारकाम तथा एसडीओपी कोतमा के मार्गदर्शन में थाना रामनगर पुलिस ने फरार एवं स्थायी वारंटियों की धरपकड़ के लिए 31 जुलाई 2026 की रात्रि विशेष कॉम्बिंग गश्त अभियान चलाया। अभियान के दौरान पुलिस ने प्रभावी कार्रवाई करते हुए 5 वारंटियों को गिरफ्तार किया तथा कुल 6 स्थायी वारंट तामील किए। पुलिस टीम ने विभिन्न स्थानों पर दबिश कर पवन पनिका (24) निवासी पुराना रामनगर, जिसके विरुद्ध दो स्थायी वारंट लंबित थे, सहित सरजू सिंह पाव उर्फ बड़का (25) निवासी वार्ड क्रमांक 8 डोला, सोहन पुरी (28) निवासी

ग्राम हरी, सोनसाय केवट (28) निवासी ग्राम फुलकोना तथा घनश्याम उर्फ लाला जोगी (30) निवासी ग्राम फुलकोना को गिरफ्तार किया। इन सभी आरोपियों के विरुद्ध विभिन्न आपराधिक प्रकरणों एवं जुआ अधिनियम से जुड़े मामलों में न्यायालय द्वारा स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी किए गए थे। गिरफ्तार आरोपियों को नियमानुसार पुलिस अभिरक्षा में लेकर शासकीय वाहन से माननीय न्यायालय कोतमा में पेश किया गया, जहां उनके विरुद्ध आगे की वैधानिक कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी सुमित कौशिक के नेतृत्व में प्रधान आरक्षक सनत द्विवेदी, प्रधान आरक्षक अमित पटेल, प्रधान आरक्षक राहुल प्रजापति, आरक्षक मदन्रेन्द्र पटेल तथा आरक्षक ऋषभ मिश्रा ने सक्रिय एवं सराहनीय भूमिका निभाई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में फरार एवं वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए इस प्रकार के अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे, ताकि कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

शहडोल, उमरिया, अनूपपुर-आसपास

खून की रेत और बेनकाब व्यवस्था

बरना नदी में फिर बही कानून की बलि

बयानबाजी का अंतहीन तमाशा।

जब खाकी पर ही दर्ज हो गई 'हत्या'

घटना की कड़ियां जोड़िए तो समझ आएगा कि व्यवस्था का हास्य-व्यंग्य किस मुकाम पर पहुंच चुका है। दरसिला चौकी की पुलिस सूचना पाकर रेत के अवैध खनन को रोकने बरना नदी पहुंची। पुलिस ने दबिश दी, ट्रैक्टर रोकने की कोशिश की और उसके बाद जो हुआ वह किसी फिल्मी ड्रामे से कम नहीं था। ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलटा और चालक की मौत हो गई। फिर शुरू हुआ सीमा पार का असली खेल, छत्तीसगढ़ के केल्हारी थाने में मध्य प्रदेश के प्रधान आरक्षक नितिन शुक्ला, आरक्षक राजू प्रजापति और एक ग्राम रक्षा समिति सदस्य के खिलाफ सीधे हत्या (302) जैसी संगीन धाराओं में मामला ठोक दिया गया। हद तो तब हो गई जब ग्रामीणों ने एमपी पुलिस की टीम को दौड़ा-दौड़ा कर खदेड़ा और रक्षा समिति के सदस्य को बंधक बनाकर छत्तीसगढ़ पुलिस के हवाले कर दिया। जब राज्यों की पुलिस एक-दूसरे के पुलिसकर्मीयों पर ही हत्या का मुकदमा दर्ज करने लगे और जनता पुलिस को खदेड़ने लगे, तो समझ लीजिए कि शासन का



इकबाल पूरी तरह ढह चुका है।

हाईकोर्ट का हथौड़ा और व्यवस्था पर करारा तमाचा

मामला जब बिलासपुर हाईकोर्ट पहुंचा, तो अदालत के फैसले ने छत्तीसगढ़ पुलिस की जल्दबाजी और लचर कार्यशैली की पोल खोलकर रख दी। हाईकोर्ट ने एमपी के प्रधान आरक्षक को

अग्रिम जमानत देते हुए साफ टिप्पणी की कि यह मामला प्रथम दृष्टया दुर्घटना का दिखता है, न कि किसी पूर्वनियोजित हत्या का। पुलिसकर्मी अपनी सरकारी ड्यूटी निभा रहे थे और मृतक भागने की फिराक में था। अदालत ने जमानत तो दे दी, लेकिन इस पूरे घटनाक्रम ने यह साबित कर दिया कि सीमावर्ती थाना पुलिस समन्वय के नाम पर केवल फाइल-फाइल खेल रही है। एक राज्य की पुलिस माफिया को पकड़ने जाती है, तो दूसरे राज्य का तंत्र उस पर ही हथकड़ी टांगने की फिराक में रहता है। क्या माफिया को शह देने के लिए इससे बेहतर

प्रशासनिक घालमेल हो सकता है?

पटवारी की बलि से भी सबक नहीं

बरना नदी का यह खूनी खेल नया नहीं है। इसी इलाके में साल भर पहले एक पटवारी तक को बेरहमी से कुचलकर मार दिया गया था। जब सरकारी कर्मचारियों की जान सुरक्षित नहीं है, तो आम जनता की सुरक्षा का दावा तो महज मजाक ही लगता है।

अवैध रेत के इस काले कारोबार से हर महीने मध्य प्रदेश शासन को करोड़ों रुपये के राजस्व का चूना लग रहा है। लेकिन नेता और आला अफसर आंखें मूंदे बैठे हैं। कार्रवाई का वकत आते ही एमपी-छत्तीसगढ़ का सीमा विवाद आड़े आ जाता है। सीमावर्ती पुलिस और राजस्व अमला बिना संसाधन और बिना बैकअप के जान जोखिम में डालने को मजबूर है। रेत सिंडिकेट दोनों राज्यों के पुलिस थानों की रार का पूरा फायदा उठाकर बेखोफ नदियां छलनी कर रहा है।

कब जागेगा सोता हुआ तंत्र

यह घटना महज एक दुर्घटना नहीं, बल्कि हमारे समूचे प्रशासनिक ढांचे के गाल पर करारा तमाचा है। बरना नदी की कोख से निकली रेत में अब इसानी खून की गंध आने लगी है। अगर अब भी दोनों राज्यों के आला अधिकारियों ने अपनी एसी कमरों वाली बैठकों से बाहर निकलकर इस संयुक्त सीमा पर कोई ठोस और सख्त रणनीति नहीं बनाई, तो आने वाले दिनों में लाखों की यह गिनती और बढ़ेगी। सवाल यह है कि क्या शहडोल और कोरिया का प्रशासन सिर्फ हादसों का इंतजार करेगा, या रेत सिंडिकेट की रीढ़ की हड्डी तोड़ेगा?

कमिश्नर ने जिला चिकित्सालय का किया औचक निरीक्षण अस्पताल में साफ सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने के लिए निर्देश



उमरिया। कमिश्नर श्रीमती सुरभि गुप्ता ने जिला चिकित्सालय उमरिया का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ओपीडी कक्ष, आयुष्मान कक्ष, ब्लड बैंक, एस एन सी यू, एन आर सी, पैथालॉजी कक्ष, नवीन अस्पताल भवन सहित साफ सफाई व्यवस्था का जायजा लिया तथा आवश्यक

दिशा निर्देश दिए। कमिश्नर श्रीमती गुप्ता ने एनआरसी कक्ष के निरीक्षण के दौरान प्रिंस बैगा की माता अलोह बाई से अस्पताल में उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सकीय व्यवस्था के बारे में पूछताछ की। जिस पर अलोह बाई ने बताया कि वे अपने बच्चे प्रिंस बैगा को 27 जुलाई को

भर्ती कराई थी, तब उसका वजन 4 किलो 850 किलो ग्राम था। उपचार मिलने के बाद नौवें दिन उसका वजन 5 किलो हो गया है। कमिश्नर ने कहा कि अस्पताल तक आने वाले मरीजों को समुचित इलाज मुहैया कराया जाए , ताकि मरीज शीघ्र स्वस्थ होकर अपने घर लौट सके। उन्होंने कहा कि

अस्पताल में साफ सफाई व्यवस्था निरंतर रूप से बनी रहे, इस पर विशेष ध्यान दिया जाए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय, सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, अनुविभागीय बांधवगढ़ अंबिकेश प्रताप सिंह, सीएमएचओ डा न्ही एस चंदेल सहित डाक्टर उपस्थित रहे।



39 वर्षों की शासकीय सेवा के बाद गबबर सिंह सेवानिवृत्त, स्वास्थ्य विभाग ने दी मावगीनी विदाई

अमरकंटक। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमरकंटक में पदस्थ स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ कर्मचारी गबबर सिंह लगभग 39 वर्षों की निष्कलंक, समर्पित एवं गौरवपूर्ण शासकीय सेवा पूर्ण करने के बाद शुक्रवार, 31 जुलाई को सेवानिवृत्त हो गए। उनके सम्मान में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में गरिमामय विदाई समारोह आयोजित किया गया, जहां चिकित्सकों, स्वास्थ्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पुष्पहार, शाल एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर उन्हें मावगीनी विदाई दी तथा स्वस्थ एवं सुखद भविष्य की शुभकामनाएं दीं। गबबर सिंह ने अपने शासकीय सेवाकाल की शुरुआत 4 जून 1987 को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अमरकंटक से की थी। लगभग चार दशकों तक उन्होंने पूरी निष्ठा, ईमानदारी, अनुशासन और सेवा-भाव के साथ स्वास्थ्य विभाग में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। उन्होंने ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अपने सरल, सौम्य और मिलनसार स्वभाव के कारण वे विभागीय अधिकारियों, सहकर्मियों तथा क्षेत्रवासियों के बीच विशेष रूप से सम्मानित रहे। विदाई समारोह में वक्ताओं ने कहा कि गबबर सिंह ने अपने पूरे सेवाकाल में मरीजों की सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उन्होंने अपने उत्कृष्ट कार्य, अनुशासित जीवनशैली और कर्तव्यनिष्ठा से विभाग की गरिमा बढ़ाई। उनके सहयोगात्मक व्यवहार, कार्य के प्रति समर्पण और सकारात्मक सोच से विभाग के अनेक कर्मचारी प्रेरित होते रहे। अधिकारियों ने कहा कि उनकी सेवाएं और कार्यशैली आने वाली पीढ़ी के कर्मचारियों के लिए सदैव प्रेरणादायी बनी रहेंगी। इस अवसर पर वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. राघु प्रताप सारीवान, डॉ. शशांक परसे, मंगत सिंह, एचएमएस श्रीमती कृष्णा देवी परसे, नर्सिंग ऑफिसर श्रीमती अनंता सिंह, श्रीमती अंजलि शर्मा, श्रीमती सुमित्रा दिनकर, फार्मासिएट श्रीमती मेधा जोगी, अध्यक्ष प्रताप सिंह, श्रीमती भारती बैगा, लैब तकनीशियन श्रीमती विनीता राजरिया, डाटा एंट्री ऑपरेटर श्रीमती संतोषी धुवे, राजकुमार अहिरवार, कंप्यूटर ऑपरेटर अमित कुमार बघेल, चेतन सिंह, महेश्वर विश्वकर्मा, दिलीप सिंह बघेल सहित स्वास्थ्य विभाग के अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। समारोह के अंत में सभी ने गबबर सिंह के स्वस्थ, सुखमय एवं दीर्घायु जीवन की कामना करते हुए उन्हें मावगीनी विदाई दी। उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने दिश्याव व्यक्त किया कि उनका सेवा-भाव, कर्तव्यनिष्ठा और दिनम व्यक्तित्व लंबे समय तक सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा।

राजनगर-डोला क्षेत्र में अवैध उत्खनन और भंडारण के आरोप, कार्रवाई पर उठे सवाल

बारिश थमते ही फिर सक्रिय हुए रेत माफिया

राजनगर। राजनगर, डोला, सेमरा, बरतराई एवं आसपास के क्षेत्रों में बारिश थमते ही एक बार फिर कथित रूप से अवैध रेत उत्खनन और परिवहन का कारोबार सक्रिय होने के आरोप सामने आए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि रात करीब 10 बजे के बाद नदी-नालों और जंगल क्षेत्रों से ट्रैक्टरों के माध्यम से लगातार रेत निकाली जा रही है तथा कई स्थानों पर उसका बड़े पैमाने पर भंडारण किया गया है। स्थानीय नागरिकों के अनुसार सेमरा से शांतिनगर कुल्हड़िया नाला, केरहा के पीछे, मलगा-टांकी जंगल, झीमर मरघटी, राजनगर बड़ा मैगजीन, राजनगर ओसीएम मैगजीन के पीछे, रामनगर राम मंदिर ओसीएम क्षेत्र तथा डूमरकछार जंगल सहित कई स्थानों पर रेत उत्खनन और भंडारण की गतिविधियां देखी जा रही हैं। आरोप है कि कुछ स्थानों पर 5 से 10 ट्रॉली तक रेत का अवैध भंडारण किया



गया है, जिसे बाद में निर्माण कार्यों के लिए खपाने की तैयारी की जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इन स्थानों पर भंडारित रेत के संबंध में रॉयल्टी, वैध परिवहन अनुमति और अन्य आवश्यक दस्तावेजों की जांच की जानी

चाहिए। उनका आरोप है कि खुलेआम ट्रैक्टरों से रेत का परिवहन होने के बावजूद संबंधित विभागों की ओर से प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही है, जिससे अवैध कारोबार करने वालों के हौसले बुलंद हैं। लगातार मिल रही शिकायतों

के बावजूद कार्रवाई नहीं होने से स्थानीय नागरिकों में नाराजगी है। लोगों का कहना है कि यदि रेत उत्खनन और भंडारण पूरी तरह वैध है तो संबंधित दस्तावेज सार्वजनिक रूप से जांच जाएं, और यदि गतिविधियां नियमों के विपरीत पाई जाती हैं तो संबंधित लोगों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। स्थानीय लोगों ने यह भी सवाल उठाया है कि यदि प्रशासन और खनिज विभाग को इन गतिविधियों की जानकारी है तो अब तक ठोस कार्रवाई क्यों नहीं हुई? वहीं यदि विभागों को इसकी जानकारी नहीं है, तो क्षेत्र में खुलेआम हो रहे रेत परिवहन और भंडारण की निगरानी कौन कर रहा है? स्थानीय नागरिकों ने जिला प्रशासन, खनिज विभाग और राजस्व अमले से मांग की है कि राजनगर, डोला और आसपास के चिन्हित स्थानों का संयुक्त निरीक्षण कराया जाए। साथ ही रेत के भंडारण, उत्खनन और परिवहन की वैधता की जांच कर दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए, ताकि क्षेत्र में अवैध खनन पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।



खबर संक्षेप

अजय पांडे को मिला
आखेटपुर सर्किल का प्रभार



ब्यौहारी। अनुमती नाथब तहसीलदार अजय पांडे को आखेटपुर सर्किल का प्रभार मिला है उल्लेखनीय की सुमित गुर्जर के जाने के बाद कापी समय से आखेटपुर सर्किल खाली था और वहां की फाइलें पेंडिंग थी जिससे काश्तकार परेशान हो रहे थे अजय पांडे इसके पहले पौधों और खांड सर्किल संभाल चुके हैं अनुमती माने जाते हैं उनके आने से आखेटपुर सर्किल के लोगों के राजस्व संबंधित मामलों का निपटारा तेजी से होगा।

मध्यप्रदेश शासन ने की
दंडात्मक कार्यवाई, कन्या
शिक्षा परिसर पाली की
तत्कालीन प्राचार्य निलंबित

उमरिया। राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) द्वारा कन्या शिक्षा परिसर पाली में छात्रवृत्ति घोटाला, फर्जी उपस्थिति, वित्तीय अनियमितताओं एवं अन्य भ्रष्टाचार के विरुद्ध लगातार आवाज उठाई गई। संगठन ने जिला कलेक्टर उमरिया को ज्ञापन सौंपकर जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करने तथा दोषियों पर तत्काल दंडात्मक कार्यवाई की मांग की थी। इसके बाद छात्र हित में आंदोलन निरंतर जारी रहा, जिसे समाज के विभिन्न वर्गों का व्यापक समर्थन प्राप्त हुआ। एनएसयूआई के संघर्ष, जनदबाव एवं जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर मध्यप्रदेश शासन, जनजातीय कार्य विभाग द्वारा कार्यवाई करते हुए कन्या शिक्षा परिसर पाली की तत्कालीन प्राचार्य को निलंबित किया गया। संगठन ने इससे छात्र हित और न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है। इसी क्रम में एडवोकेट बसंत तिवारी एवं पत्रकार अरुण कुमार विश्वकर्मा भ्रष्टाचार के विरुद्ध कार्यवाई की मांग को लेकर आमरण अनशन पर बैठे। उनके संघर्ष को भी समाज के विभिन्न वर्गों का समर्थन प्राप्त हुआ। एनएसयूआई का मानना है कि यह संघर्ष न्याय, पारदर्शिता और छात्र हित की लड़ाई का प्रतीक है। जब समाज के सभी वर्ग एकजुट होकर जनहित के मुद्दों पर खड़े होते हैं, तब तत्कालीन परिणाम सामने आते हैं। एनएसयूआई प्रदेश सचिव हर्ष अग्रवाल ने कहा कि यह जीत केवल एक संगठन की नहीं, बल्कि छात्रों, अभिभावकों, आम नागरिकों तथा भ्रष्टाचार के विरुद्ध आवाज उठाने वाले प्रत्येक व्यक्ति की जीत है।

चातुर्मास वर्षायोग स्थापना कार्यक्रम पूरे उल्लास के साथ मनाया गया

चातुर्मास केवल उत्सव नहीं, बल्कि संयम, साधना, शुद्ध
आचरण और ध्यान का महापर्व : गुरु मां ऋजुमति

बुढ़ार। चातुर्मास वर्षायोग स्थापना समारोह श्रद्धा,भक्ति और धार्मिक उल्लास के साथ बुढ़ार में संपन्न हुआ। इस अवसर पर गुरु मां ऋजु मति ने कहाकि - चातुर्मास केवल उत्सव नहीं, बल्कि संयम, साधना, शुद्ध आचरण और ध्यान का महापर्व है। उन्होंने कहाकि - वर्षायोग साधु-संतों की साधना का विशेष काल होता है तथा श्रावकों को धर्म, सेवा और पुण्य संयम का अनुपम अवसर प्रदान करता है।उन्होंने कहाकि - जहां साधु वर्षायोग स्थापित करते हैं और जहां श्रावक उन्हें वर्षायोग कराने का सौभाग्य प्राप्त करते हैं, वहां धर्म की प्रभावना और आध्यात्मिक ऊर्जा का प्रसार होता है। यह साधु और श्रावक के मध्य धर्ममय समन्वय का श्रेष्ठ उदाहरण है।कार्यक्रम पूर्य गुरुदेव आचार्य श्री समय सागर जी महाराज के आशीर्वाद से आयोजित हुआ।कार्यक्रम विद्यासागर स्कूल परिसर में विद्वत्श्रेष्ठ बा. ब्रह्मचारी संजीव भैया (कटंगी) के सानिध्य में आयोजित हुआ। प्रातः भगवान पार्श्वनाथ की वेदी पर अभिषेक एवं शान्तिधारा,



माताजी की कक्षा एवं प्रवचन, पड़गाहन एवं आहारचर्या के उपरांत दोपहर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इसके पश्चात मंगलाचरण, आचार्य श्री की पूजन, बालिकाओं द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, गुरु मां ऋजु मति के मंगल प्रवचन तथा ब्रह्मचारी संजीव भैया के प्रेक उद्बोधन हुआ। अंत में मंगल कलश स्थापना के साथ वर्षायोग की विधिवत स्थापना संपन्न हुई। समारोह के दौरान नगर के प्राचीन जैन मंदिर के जीर्णोद्धार एवं नवीन पाषाण मंदिर निर्माण की रूपरेखा भी प्रस्तुत की गई। मंदिर निर्माण के लिये दानदाताओं की भूमिका पर चर्चा करते हुए शीघ्र निर्माण कार्य प्रारंभ करने की घोषणा की गई। कार्यक्रम के सफल आयोजन में श्री पार्श्वनाथ जैन मंदिर समिति, श्री शान्तिनाथ जैन मंदिर समिति एवं श्री वासुपूज्य जैन मंदिर समिति की महत्वपूर्ण भूमिका रही। समारोह में बुढ़ार सहित कटनी, पेंड़ा, जबलपुर, सागर तथा अन्य नगरों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु जन उपस्थित रहे।

मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता
से ही तनावमुक्त जीवन संभव



प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस
में उमंग हेल्थ एंड वेलनेस

कार्यक्रम के तहत जागरूकता

कार्यक्रम का किया गया आयोजन
बुढ़ार। उमंग उच्च शिक्षा हेल्थ एंड वेलनेस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बुढ़ार में मध्य प्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग के निदेशानुसार मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता सत्र का आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. गंगा मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं को मानसिक स्वास्थ्य के महत्व से अवगत कराना तथा तनावपूर्ण परिस्थितियों में सही निर्णय लेने के लिये प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में जिला चिकित्सालय शहडोल की नर्सिंग ऑफिसर सुश्री सीमा बानो ने बताया कि - मानसिक स्वास्थ्य हमारे भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक एवं सामाजिक कल्याण का आधार है। उन्होंने कहाकि - विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार मानसिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति जीवन की चुनौतियों का सामना करते हुए समाज में सकारात्मक योगदान देने में सक्षम होता है। मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ.सुमित दास गुप्ता

ने कहाकि - मानासक स्वास्थ्य व्याक्त का तनाव से उबरने, अपनी क्षमताओं को पहचानने, बेहतर ढंग से सीखने, कार्य करने और समाज के विकास में योगदान देने की शक्ति प्रदान करता है। वहीं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बुढ़ार की परामर्शदाता सुश्री अंकित मिश्रा ने छात्राओं को मानसिक स्वास्थ्य एवं महिलाओं से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं के प्रति जागरूक किया। महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. अनिल उपाध्याय ने कहाकि - चिंता और तनाव का सीधा प्रभाव शारीरिक स्वास्थ्य पर भी पड़ता है, और लगातार तनाव रहने से उच्च रक्तचाप, सिरदर्द, अनिद्रा और भूख न लगने जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित योग, ध्यान तथा अपनी भावनाओं को परिवार, मित्रों अथवा शिक्षकों के साथ साझा करने की सलाह दी।कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. किरण सिंह, प्रो. नागमणि मानिकपुरी, सहायक प्राध्यापक डॉ.मनोज कुजूरू, डॉ. जयशंकर सिंह,कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ.अनूप सेन सहित महाविद्यालय के शिक्षकों एवं सौ से अधिक छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न प्रश्न पूछे, जिनका विशेषज्ञों ने विस्तार पूर्वक समाधान किया।



बुढ़ार। नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सरावगी ने हाल ही में घोषित NEET परीक्षा में उत्कृष्ट सफलता हासिल करने वाले क्षेत्र के मेधावी विद्यार्थियों से मुलाकात कर उन्हें सम्मानित किया। नगर के अभिराज और परी जैन के घर पहुंचकर दी बधाई नगर अध्यक्ष पहले मेधावी छात्र अभिराज जैन के निवास स्थान पहुँचीं। उन्होंने अभिराज को उनकी इस बड़ी सफलता पर शुभकामनाएं दीं और उनके माता-पिता मुकेश जैन एवं श्रीमती संगीता जैन को भी बेटे की इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के लिए बधाई प्रेषित की। इसके उपरांत, वे वार्ड क्रमांक 15 (मुरलिया बाग) स्थित परी जैन के घर पहुँचीं। वहीं उन्होंने परी को NEET परीक्षा उत्तीर्ण करने पर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने परी के माता-पिता

प्रवीण जैन एवं श्रीमती बीनू जैन को भी शुभकामनाएं दीं। कोयलांचल का गौरव हैं ये प्रतिभावान बच्चे विद्यार्थियों के उत्साहवर्धन के दौरान श्रीमती शालिनी सरावगी ने कहा कोयलांचल क्षेत्र के ऐसे प्रतिभाशाली विद्यार्थी पूरे अंचल का मान बढ़ाते हैं। इनकी सफलता क्षेत्र के अन्य छात्र-छात्राओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। ईश्वर से यही प्रार्थना है कि वे जीवन में निरंतर नई ऊँचाइयों को प्राप्त करें और समाज व राष्ट्र का नाम रोशन करें। मेधावी विद्यार्थियों का यह सम्मान निश्चित रूप से युवाओं को शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ने और उज्ज्वल भविष्य गढ़ने की दिशा में एक प्रेरणादायी कदम है।

जाति प्रमाण पत्र जांच का सच सामने
आए, रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग

धनपुरी। नगर पालिका परिषद धनपुरी की अध्यक्ष रविंदर कौर छाबड़ा के जाति प्रमाण पत्र से जुड़ी जांच को लेकर एक बार फिर राजनीतिक माहौल गर्म हो गया है। नगर पालिका परिषद धनपुरी के पूर्व अध्यक्ष एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता हंसराज तंवर ने जांच प्रक्रिया को शीघ्र पूरा कर उसका अंतिम निष्कर्ष सार्वजनिक किए जाने की मांग उठाई है। उनका कहना है कि लंबे समय से यह मामला चर्चा, विवाद और जनचर्चाओं का विषय बना हुआ है, इसलिए जांच रिपोर्ट सामने आने से सभी प्रकार की आशंकाओं और भ्रम की स्थिति समाप्त हो सकेगी। पूर्व अध्यक्ष हंसराज तंवर ने जारी बयान में कहा कि इस प्रकरण को लेकर धनपुरी के एक अधिवक्ता द्वारा न्यायालय में याचिका दायर की गई थी तथा बाद में एक अन्य याचिका भी प्रस्तुत की गई। उनके अनुसार उपलब्ध जानकारी के मुताबिक प्रकरण की जांच वर्तमान में भोपाल स्थित संबंधित सक्षम जांच समिति के स्तर पर लंबित है। कई महीने बीत जाने के बाद भी जांच का अंतिम परिणाम सामने नहीं आने से



लोगों के बीच तरह-तरह की चर्चाएं और अटकलें लगाई जा रही हैं।उन्होंने कहा कि वर्ष 2022 के नगर पालिका चुनाव के दौरान अध्यक्ष पद के लिए रविंदर कौर छाबड़ा का नामांकन किन आधारों पर स्वीकार किया गया, जबकि अन्य कुछ प्रत्याशियों के नामांकन विभिन्न कारणों से निरस्त किए गए थे, यह भी जांच का महत्वपूर्ण विषय है। ऐसे में पूरे मामले की निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध जांच आवश्यक है, ताकि किसी प्रकार की भ्रंति या विवाद की स्थिति न रहे। तंवर ने मांग की कि संबंधित जांच समिति जल्द से जल्द जांच पूरी कर अपनी रिपोर्ट सार्वजनिक करे। उनका कहना है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में पारदर्शिता सबसे महत्वपूर्ण है और जनता को ऐसे मामलों की वास्तविक स्थिति जानने का पूरा अधिकार है। हालांकि, अभी तक जांच समिति की ओर से कोई आधिकारिक निष्कर्ष सार्वजनिक नहीं किया गया है। ऐसे में अंतिम निर्णय और जांच रिपोर्ट आने के बाद ही पूरे मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

इलाज दो... नहीं तो अनशन होगा!' ब्यौहारी अस्पताल की बदहाली
पर फूटा जनाक्रोश, स्वास्थ्य मंत्री को 15 दिन का अल्टीमेटम

ब्यौहारी। 90 किलोमीटर के दायरे की जनता की सेहत अब मगवान भरसे है। विशेषज्ञ डॉक्टर नहीं, डायलैसिस सुविधा नहीं, वर्षों से बंद पड़ी सोनोग्राफी मशीन, निषेचित ऑक्सीजन प्लांट और अस्पताल में जीवकरक्षक दवाइयों तक की कमी... इन्हीं गंभीर समस्याओं से नाराज लोगों का सब आखिरकार टूट गया। कबीरधर्म पंच समिति के संस्थापक हरिशंकर कोरी ने स्वास्थ्य मंत्री, मध्यप्रदेश शासन के नाम पांच सूत्रीय मांग पत्र सौंपते हुए साफ शब्दों में चेतावनी दी है कि यदि 15 दिनों के भीतर स्वास्थ्य सुविधाएं बहाल नहीं की गईं तो 15 अगस्त से सिविल अस्पताल ब्यौहारी परिसर में आमरण अनशन शुरू होगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी। विशेषज्ञ डॉक्टरों के अभाव में भटक रहे मरीज ज्ञापन में कहा गया है कि सिविल अस्पताल ब्यौहारी पर लगभग 90 किलोमीटर क्षेत्र की हजारों की आबादी निर्भर है, लेकिन अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों का गंभीर अभाव है। छोटी-छोटी सर्जरी के लिए भी मरीजों को दूसरे शहरों का रुख करना पड़ता है। मांग की गई है कि तत्काल एक महिला एवं एक पुरुष विशेषज्ञ चिकित्सक की पदस्थापना की जाए। डायलैसिस नहीं, तो हर सप्ताह शहडोल की दौड़ समिति का कदम है कि प्रत्येक सप्ताह कई किडनी मरीज डायलैसिस के लिए शहडोल जाने को मजबूर हैं। आर्थिक रूप से कमजोर मरीज बिनामिल इलाज नहीं करा पाते, जिससे उनकी जान पर खतरा मंडराने लगता है। इसलिए अस्पताल में तत्काल डायलैसिस यूनिट शुरू करने की मांग की गई है।

तीन साल से धूल खा रही सोनोग्राफी मशीन, ऑक्सीजन प्लांट भी बंदकर ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि अस्पताल में वर्षों से रखी सोनोग्राफी मशीन अब तक चालू नहीं हो सकी है। दूसरी ओर कोरोना काल में स्थापित ऑक्सीजन गैस प्लांट की पूरी क्षमता से संचालित नहीं हो रहा है। समिति ने दोनों सुविधाओं को तत्काल शुरू करने की मांग की है। दवाइयों और संसाधनों का भी संकट मांग पत्र में अस्पताल में कोटन, टॉके का धागा, माइजर ऑपरेशन थिएटर की सामग्री और आवश्यक दवाइयों की नियमित उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ-साथ आउटसोर्स कर्मचारियों को समय पर मानदेय दिवाने की भी मांग की गई है। 15 अगस्त से आमरण अनशन का ऐलान समिति के संस्थापक हरिशंकर कोरी ने स्पष्ट कर दिया है कि यदि 15 दिनों के भीतर मांगों पर कार्यवाई नहीं हुई तो 15 अगस्त 2026 को सुबह 9 बजे से सिविल अस्पताल ब्यौहारी परिसर में गांधीवादी एवं संवैधानिक तरीके से आमरण अनशन शुरू किया जाएगा। किसी भी अप्रिय स्थिति की संपूर्ण जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी। उन्होंने 29 जुलाई 2026 को प्रस्तुत इस ज्ञापन की प्रतिलिपि विद्यार्थक शरद जुगलाल कोल, कलेक्टर शहडोल, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, खंड चिकित्सा अधिकारी तथा थाना प्रभारी ब्यौहारी को भी भेजी गई है।



महादेव की झांकी बनी आकर्षण
का केंद्र, महिलाओं ने सिर पर
कलश रख किया नगर भ्रमण;
अब 10 दिन तक पार्थिव शिवलिंग
निर्माण, रुद्राभिषेक और शिव
महापुराण कथा

धनपुरी। सावन की पावन बेला में शनिवार को धनपुरी ने एक बार फिर अपनी धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक एकता का अनुपम दृश्य देखा। श्री राधा कृष्ण मंदिर से निकली भव्य कलश शोभायात्रा ने पूरे नगर को शिवमय कर दिया। रहर-हर महादेवर और रउं नमः शिवायर के जयघोष, ढोल-नगाड़ों की गूंज, भगवान भोलेनाथ की मनमोहक झांकी और सिर पर कलश धारण किए सैकड़ों महिलाओं की श्रद्धा ने ऐसा आध्यात्मिक वातावरण बनाया कि नगर का हर मार्ग भक्ति में सराबोर दिखाई दिया। शाम करीब 5 बजे श्री राधा कृष्ण मंदिर से प्रारंभ हुई शोभायात्रा में महिलाओं, पुरुषों, युवाओं और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। भगवान शिव की आकर्षक झांकी से सुसज्जित वाहन श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बने रहे। शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई आजाद चौक पहुंची, जहां से श्रद्धालु मां ज्वालामुखी मंदिर पहुंचे और वहां से पवित्र जल लेकर पुनः श्री राधा कृष्ण मंदिर पहुंचे। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कलश स्थापना के साथ धार्मिक महोत्सव



का विधिवत शुभारंभ हुआ। मार्गभर श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते हुए नाचते-गाते आगे बढ़ते रहे। जगह-जगह पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया गया। नगर के बाजारों और प्रमुख चौराहों पर लोगों ने यात्रा के दर्शन कर भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया। कलश यात्रा में नगर के गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी, विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि तथा हजारों शिवभक्त शामिल हुए।

3 अगस्त से पहले सावन
सोमवार पर उमड़ेगी आस्था
रविवार से धार्मिक अनुष्ठानों का क्रम और तेज हो जाएगा। 3 अगस्त को पहले सावन सोमवार पर विशेष रुद्राभिषेक, जलाभिषेक और भगवान शिव का श्रृंगार किया जाएगा। समिति के अनुसार इस दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है।



का विधिवत शुभारंभ हुआ। मार्गभर श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते हुए नाचते-गाते आगे बढ़ते रहे। जगह-जगह पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया गया। नगर के बाजारों और प्रमुख चौराहों पर लोगों ने यात्रा के दर्शन कर भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया। कलश यात्रा में नगर के गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी, विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि तथा हजारों शिवभक्त शामिल हुए।

8 अगस्त को निकलेगी मव्य
कांवड़ यात्रा
धार्मिक महोत्सव के दौरान 8 अगस्त को मां ज्वालामुखी मंदिर से श्री राधा कृष्ण मंदिर तक विशाल कांवड़ यात्रा निकाली जाएगी। शिवभक्त पवित्र जल लेकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करेंगे। आयोजन

समिति ने कांवड़ यात्रा को ऐतिहासिक बनाने की तैयारियां पूरी कर ली हैं।

10 अगस्त को पूर्णाहुति, 11
अगस्त को विशाल भंडारा

10 अगस्त को पार्थिव शिवलिंग विसर्जन शोभायात्रा, हवन और पूर्णाहुति के साथ धार्मिक अनुष्ठानों का समापन होगा। इसके बाद 11 अगस्त को दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे तक विशाल भंडारे एवं प्रसाद वितरण का आयोजन किया जाएगा, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

आस्था के साथ सेवा की भी
मिसाल

संकल्प सेवा समिति के सदस्य पिछले कई दिनों से आयोजन की तैयारियों में जुटे हैं। मंदिर परिसर की आकर्षक सजावट, विशाल कथा पंडाल, पेयजल, बैठने की व्यवस्था, पार्किंग, सुरक्षा और पूजन सामग्री सहित सभी महापुराण की अमृतमयी कथा सुनाएंगे। कथा के माध्यम से भगवान शिव के स्वरूप, भक्ति, वैराग्य और सनातन संस्कृति के संदेश श्रद्धालुओं तक पहुंचेंगे।



नवागत कलेक्टर रत्नाकर झा के सामने विकास की बड़ी परीक्षा

मेडिकल कॉलेज सहित बड़ी परियोजना को रफ्तार देने की चुनौती

15 से अधिक महत्वाकांक्षी योजनाओं को फाइलों से जमीन पर उतारना होगी सबसे बड़ी चुनौती
कुछ उपलब्धियां मिलीं, लेकिन बड़ी तस्वीर अभी अधूरी

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिले के नवागत कलेक्टर रत्नाकर झा ने ऐसे समय में कार्यभार संभाला है, जब अनूपपुर की कई महत्वाकांक्षी विकास परियोजनाएं वर्षों से सरकारी फाइलों में अटकी हुई हैं। स्वास्थ्य, शिक्षा, सिंचाई, खेल, परिवहन और न्यायिक व्यवस्था से जुड़ी 15 से अधिक बड़ी योजनाएं आज भी भूमि आवंटन, तकनीकी परीक्षण, डीपीआर और विभागीय स्वीकृतियों के विभिन्न चरणों में उलझी हुई हैं। ऐसे में इन योजनाओं को गति देकर धरातल पर उतारना नवागत कलेक्टर के सामने सबसे बड़ी प्रशासनिक चुनौती माना जा रहा है। जिलेवासियों को उम्मीद है कि नए कलेक्टर इन लंबित परियोजनाओं की नियमित समीक्षा कर विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करेंगे, ताकि वर्षों से लंबित घोषणाएं अमल का रूप ले सकें। मेडिकल कॉलेज से लेकर एयरस्ट्रिप और बड़ी सिंचाई परियोजनाओं तक कई योजनाएं जिले के भविष्य से जुड़ी हैं, जिन पर अब लोगों की निगाहें टिकी हैं।

मेडिकल कॉलेज को दिलानी होगी रफ्तार

अमरकंटक स्थित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय परिसर में प्रस्तावित मेडिकल कॉलेज जिले की सबसे बड़ी और बहुप्रतीक्षित परियोजनाओं में शामिल है। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा आवश्यक भूमि उपलब्ध कराई जा चुकी है, लेकिन अतिरिक्त भूमि आवंटन, विभागीय औपचारिकताओं और शासन स्तर की अंतिम स्वीकृतियां अभी शेष हैं। इन प्रक्रियाओं में तेजी लाना नवागत कलेक्टर के सामने सबसे बड़ी चुनौती होगी। मेडिकल कॉलेज शुरू होने से न केवल अनूपपुर बल्कि शहडोल संभाग के आदिवासी अंचलों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं

एपीएस विश्वविद्यालय की परीक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल, प्रथम पाली की मेजर परीक्षा नहीं हो सकी

प्रश्नपत्र पहुंचने के बावजूद परीक्षा नहीं कराने का आरोप, जांच और कार्रवाई की मांग
हरिभूमि न्यूज अनूपपुर

अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा की स्नातक चतुर्थ वर्ष की परीक्षाओं के पहले ही दिन शासकीय महाविद्यालय जैतहरी में बड़ी प्रशासनिक लापरवाही सामने आई। शुक्रवार को सुबह 7 बजे से 10 बजे तक बीएससी चतुर्थ वर्ष (नियमित) के मेजर विषय की परीक्षा आयोजित होनी थी, लेकिन आरोप है कि महाविद्यालय प्रशासन परीक्षा आयोजित करना ही भूल गया। परिणामस्वरूप दर्जनों विद्यार्थी बिना परीक्षा दिए ही वापस लौटने को मजबूर हो गए। जानकारी के अनुसार निर्धारित समय पर परीक्षार्थी परीक्षा केंद्र पहुंचे, लेकिन वहां परीक्षा संचालन की कोई तैयारी नहीं थी। विद्यार्थी काफी देर तक परीक्षा शुरू होने का इंतजार करते रहे,

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना में राजनगर से श्रद्धा सम्मान के साथ रवाना हुए तीर्थ यात्री

हरिभूमि न्यूज राजनगर। नगर परिषद बनगवां (राजनगर) में लखन लाल पनिका मुख्य नगर पालिका अधिकारी के निदेश पर मध्यप्रदेश शासन की प्रमुख योजना मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत नगर परिषद बनगवां (राजनगर) क्षेत्र के चयनित तीर्थ यात्रियों को शनिवार को श्रद्धा एवं सम्मान और उत्साहपूर्ण वातावरण में तीर्थ यात्रा के लिये जिला

मुख्यालय अनूपपुर रेलवे स्टेशन तक के लिए रवाना किया गया। नगर परिषद बनगवां (राजनगर) राजीव गांधी प्रांगण में आयोजित गरिमायुी कार्यक्रम में तीर्थ यात्रा में जानेवाले तीर्थ यात्रियों को साल श्रीफल देकर फूल माला पहनाकर उनका स्वागत किया गया तथा उन सभी तीर्थ यात्रियों कि सुखद, सुशुक्षित, और मंगलमय यात्रा की कामना की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अध्यक्ष यशवंत सिंह नगर परिषद बनगवां (राजनगर) ने कहा, मध्यप्रदेश शासन, भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने समाज के अंतिम व्यक्ति तक को शासन की योजनाओं का लाभ देने के लिये प्रयासकत है। शासन के द्वारा अनेक योजनाएं चलाई जा रही है। उसी क्रम में मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना सरकार की एक महत्वपूर्ण जन कल्याणकारी योजना है। इसके माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर एवं वरिष्ठ नागरिकों को देश के प्रमुख धार्मिक तीर्थ स्थलों के दर्शन करने का एक सुनहरा अवसर मिल रहा है। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के



मिलेंगी, साथ ही स्थानीय युवाओं को चिकित्सा शिक्षा के नए अवसर भी प्राप्त होंगे।

स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स से जुड़े युवाओं के सपने

जिले के खिलाड़ियों को आधुनिक खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की घोषणा की गई थी, लेकिन वर्षों बाद भी परियोजना भूमि चयन के चरण से आगे नहीं बढ़ सकी है। भूमि उपलब्ध होने के बाद डीपीआर तैयार होगी और निर्माण कार्य शुरू होगा। जिले के खिलाड़ियों को आज भी राष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाओं के लिए दूसरे शहरों का रुख करना पड़ता है। यदि इस परियोजना को गति मिलती है तो स्थानीय प्रतिभाओं को बेहतर प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं के अवसर मिल सकेंगे।

किसानों की उम्मीद बनी सिंचाई परियोजनाएं

राजा कछार जलाशय के पुनर्निर्माण के लिए करीब 4.92 करोड़ रुपये का प्रस्ताव तैयार है, जबकि सीतामढ़ी वृहद सिंचाई परियोजना, सोन मोहरी परियोजना, कातना स्टोरेज वीयर और छटन बांध जैसी योजनाएं तकनीकी परीक्षण और विभागीय स्वीकृतियों के दौर से गुजर रही हैं। इन परियोजनाओं के पूरा होने से हजारों किसानों की सिंचाई समस्या दूर होगी, कृषि उत्पादन में वृद्धि होगी और भूजल स्तर में भी सुधार



आने की उम्मीद है। किसानों को अब इन योजनाओं के जल्द धरातल पर उतरने का इंतजार है।

बस स्टैंड, ऑडिटोरियम और एयरस्ट्रिप भी प्राथमिकता

अनूपपुर शहर के लिए प्रस्तावित आधुनिक बस स्टैंड और अत्याधुनिक ऑडिटोरियम की प्रक्रिया अभी विभागीय स्तर पर चल रही है। वहीं बिजुरी के आउटडोर स्टेडियम को तकनीकी मंजूरी मिलना बाकी है। दूसरी ओर अनूपपुर-कोतमा एयरस्ट्रिप जैसी महत्वाकांक्षी परियोजना भूमि चयन के बाद तकनीकी प्रक्रियाओं में है। एयरस्ट्रिप बनने से जिले में पर्यटन, निवेश और व्यापारिक गतिविधियों को नई गति मिलने की संभावना है। इन सभी परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ाना नए कलेक्टर के लिए बड़ी प्रशासनिक जिम्मेदारी होगी। न्यायालय भवन और प्रशासनिक परियोजनाओं को भी चाहिए गति जिला न्यायालय के नए भवन का प्रस्ताव अभी विभागीय स्वीकृति की प्रतीक्षा में है। इसके अलावा बिजुरी तहसील पुनर्गठन सहित कई प्रशासनिक प्रस्ताव भी अलग-अलग स्तर पर लंबित हैं। इन परियोजनाओं के पूरा होने से आम नागरिकों को बेहतर प्रशासनिक और न्यायिक सुविधाएं मिल सकेंगी। नए कलेक्टर के सामने इन लंबित प्रस्तावों की नियमित समीक्षा कर संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित करना भी महत्वपूर्ण चुनौती होगी।

परीक्षा कराना ही भूल गया जैतहरी महाविद्यालय, बिना परीक्षा दिए लौटे विद्यार्थी

पैदा हो गया है। यदि जल्द वैकल्पिक परीक्षा आयोजित नहीं की गई तो उन्हें मानसिक तनाव के साथ-साथ शैक्षणिक नुकसान भी उठाना पड़ सकता है। छात्रों और अभिभावकों ने विश्वविद्यालय प्रशासन से मांग की है कि प्रभावित विद्यार्थियों की परीक्षा शीघ्र कराई जाए, ताकि उनका परिणाम और आगे की पढ़ाई प्रभावित न हो।

जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग

घटना के बाद छात्रों और अभिभावकों ने विश्वविद्यालय एवं उच्च शिक्षा विभाग से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि परीक्षा जैसी संवेदनशील प्रक्रिया में हुई इस गंभीर लापरवाही के लिए जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जवाबदेही तय कर उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।

विश्वविद्यालय ने बताया प्राचार्य की लापरवाही

विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग का कहना

है कि महाविद्यालय को निर्धारित समय पर प्रश्नपत्र उपलब्ध करा दिए गए थे। यदि इसके बावजूद परीक्षा आयोजित नहीं हुई तो यह महाविद्यालय स्तर की गंभीर लापरवाही है। क्षेत्रीय कार्यालय रीवा के अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा डॉ. महेंद्र मणि दुबे ने भी मामले को गंभीर बताते हुए कहा कि परीक्षा जैसे महत्वपूर्ण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। अगर समय पर प्रश्नपत्र मिल गया था तो परीक्षा कराई जानी चाहिए थी। परीक्षा जैसे महत्वपूर्ण कार्य में लापरवाही बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मैं पूरे मामले की जानकारी लेकर आवश्यक कार्रवाई करूंगा।

इनका कहना है

अगर समय पर प्रश्न पत्र मिल गया है तो परीक्षा करानी चाहिए। परीक्षा जैसे महत्वपूर्ण कार्य में लापरवाही बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी, मैं जानकारी लेकर बताता हूं।

डॉ महेंद्र मणि दुबेदी
 अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा
 क्षेत्रीय कार्यालय रीवा

पंचायत भवन पर लटका ताला, योजनाओं से वंचित ग्रामीण

प्यारी नंबर-2 ग्राम पंचायत में प्रशासनिक व्यवस्था ठप, ग्रामीणों ने लगाए गंभीर आरोप
हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जनपद पंचायत अनूपपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत पयारी नंबर-2 में प्रशासनिक व्यवस्था पूरी तरह चरमराने का मामला सामने आया है। आरोप है कि पंचायत भवन पर लंबे समय से ताला लटका हुआ है, जिससे ग्रामीणों के शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत कार्यालय नियमित रूप से संचालित नहीं होने के कारण जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, पेंशन, प्रधानमंत्री आवास, मनरेगा सहित अन्य शासकीय योजनाओं से जुड़े कार्य प्रभावित हो रहे हैं। पंचायत पहुंचने वाले लोगों को कई बार बिना काम के लौटना पड़ता है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पंचायत की पूरी व्यवस्था ग्राम रोजगार सहायक (जीआरएस) के भरोसे संचालित की जा रही है, जबकि पंचायत सचिव की नियमित उपस्थिति और प्रशासनिक जिम्मेदारी सुनिश्चित होना आवश्यक है। ग्रामीणों का कहना है कि इस संबंध में कई बार शिकायतें की गईं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, जिससे विकास कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं। ग्रामीणों का यह भी कहना है कि पंचायत स्तर पर प्रशासनिक लापरवाही का



खा미याजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। समय पर कार्य नहीं होने से लोगों में नाराजगी बढ़ रही है और शासन की योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों तक नहीं पहुंच पा रहा है। हाल ही में जिले में नवागत कलेक्टर द्वारा विभिन्न विभागों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को सुधारने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं अन्य क्षेत्रों में जनकल्याण शिविरों के माध्यम से लोगों की समस्याओं के निराकरण के प्रयास किए जा रहे हैं। इसके बावजूद ग्राम पंचायत पयारी नंबर-2 की बदहाल व्यवस्था कई सवाल खड़े कर रही है। अब देkhना होगा कि जिला एवं जनपद पंचायत प्रशासन इस मामले को कितनी गंभीरता से लेते हुए जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई करता है या फिर यह मामला भी केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित रह जाएगा।

300 सदस्यता का लक्ष्य पूरा, रेलवे मजदूर कांग्रेस शाखा अनूपपुर ने पदाधिकारियों का किया सम्मान



हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। साउथ ईस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर कांग्रेस की शाखा अनूपपुर ने सदस्यता अभियान में उल्लेखनीय सफलता हासिल करते हुए एक माह के भीतर 300 सदस्य बनाने का लक्ष्य पूरा कर लिया। इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में शाखा कार्यालय अनूपपुर में कार्यक्रमों एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें सदस्यता अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने वाले पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया। 1 जुलाई से 31 जुलाई तक चले सदस्यता अभियान के दौरान शाखा अनूपपुर ने निर्धारित लक्ष्य को समय रहते पूरा कर संगठनात्मक मजबूती का परिचय दिया। शाखा पदाधिकारियों ने इस सफलता का श्रेय जोनल महामंत्री पीताम्बर लक्ष्मी नारायण, जोनल अध्यक्ष दिलीप कुमार स्वाइन, मंडल समन्वयक विजय अग्निहोत्री तथा जोनल कार्यकारी अध्यक्ष एवं सीआईसी प्रभारी लक्ष्मण राव के नेतृत्व, मार्गदर्शन और प्रेरणा को दिया। अनेक निर्देशनों में शाखा के सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने टीम भावना के साथ अभियान को सफल बनाया। समारोह में सदस्यता अभियान में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शाखा अध्यक्ष सिराज अहमद मंसूरी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामदास राठौर, कोषाध्यक्ष सदाशिव पाण्डेय तथा सह सचिव कमलेश राठौर को जोनल कार्यकारी अध्यक्ष लक्ष्मण राव ने सम्मानित किया। पदाधिकारियों को संगठन के प्रति समर्पण, सक्रिय सहभागिता और अथक मेहनत के लिए प्रशस्ति प्रदान की गई। इस अवसर पर शाखा सचिव जयंतो दास गुप्ता ने कहा कि 300 सदस्यता का लक्ष्य प्राप्त करना केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि रेल कर्मचारियों के संगठन पर विश्वास, कार्यकर्ताओं की एकजुटता और मजबूत संगठनात्मक कार्यशैली का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि जब नेतृत्व सक्षम और कार्यकर्ता समर्पित हों तो कोई भी लक्ष्य कठिन नहीं होता। कार्यक्रम के अंत में सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने, रेल कर्मचारियों के अधिकारों एवं हितों की रक्षा के लिए निरंतर कार्य करने तथा भविष्य में इससे भी बड़े सदस्यता लक्ष्य हासिल करने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि यह उपलब्धि न केवल शाखा अनूपपुर बल्कि संपूर्ण साउथ ईस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर कांग्रेस के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है।

स्वैच्छिकता पर्व के तहत साप्ताहिक नशा मुक्ति अभियान का समापन,विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के निर्देशानुसार 4 जुलाई से 12 अगस्त तक आयोजित स्वैच्छिकता पर्व के अंतर्गत नवांजुर संस्था सारथी पर्यावरण संरक्षण एवं जनकल्याण संस्था द्वारा साप्ताहिक नशा मुक्ति अभियान संचालित किया गया। अभियान के समापन अवसर पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें नशा मुक्ति अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाने वाले विद्यार्थियों को प्रशस्ति देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में युवाओं को नशे से दूर रहकर स्वस्थ, जागरूक एवं जिम्मेदार समाज के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का संदेश दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि नशा मुक्त



समाज के निर्माण में युवाओं की भागीदारी सबसे महत्वपूर्ण है और ऐसे जनजागरूकता अभियान समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रभावी

माध्यम है। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राजेंद्र भारती, अध्यक्ष, अमरकंटक विकास प्राधिकरण उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों ने मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक उमेश पांडे, संस्था अध्यक्ष निखिल कुमार, सह सचिव प्रयाग पांडे एवं संस्कार गुप्ता शामिल रहे। कार्यक्रम में विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। अंत में अभियान को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी प्रतिभागियों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त करते हुए अभियान में भी ऐसे जनजागरूकता कार्यक्रम निरंतर आयोजित करने का संकल्प लिया गया।

